~~इकाई~~ " इकाई — 4 "

" a "

पाठ योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उप-विषय	समय	कालांश
26/2/2011	9 (B)	वाणिज्य	पुस्तपालन तथा लेखा-कर्म	35 मि.	तृतीय

विद्यालय का नाम →

प्रकरण — ' रोजनामचा या जर्नल में लेखा '

सामान्य उद्देश्य — ① वाणिज्य शास्त्र के अध्ययन मे छात्रों की रुचि उत्पन्न करना।

② छात्रों के दैनिक जीवन मे वाणिज्यशास्त्र से सम्बन्ध समझाना।

③ छात्रो को वाणिज्यशास्त्र के सिद्धान्तों से परिचित कराना।

④ वाणिज्यशास्त्र के अध्ययन द्वारा छात्रो के मस्तिष्क को तार्किक बनाना।

⑤ छात्रों को भारतीय लेखा ~~पद~~ पद्धति से अवगत कराना।

⑥ छात्रों को देश के आर्थिक विकास मे सहयोगी बनाना।

⑦ छात्रों की अवलोकन शक्ति को विकसित करना।

विशिष्ट उद्देश्य → ~~रोजनामचा~~ रोजनामचा या जर्नल मे लेखा अध्ययन के उपरान्त छात्रों के व्यवहार मे निम्नलिखित परिवर्तन होगा —

ज्ञानात्मक →

① छात्र रोजनामचा या जर्नल के अर्थ को बतायेंगे।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

② छात्र जर्नल की परिभाषा को बतायेंगे
③ छात्र खातों का अर्थ बतायेंगे
④ छात्र खातों के प्रकार बतायेंगे

बोधात्मक →

① छात्र खातों में अन्तर करेंगे।
② विभिन्न खातों में सम्बन्धित उदाहरणों को छात्र देंगे।
③ विभिन्न खातो मे लेखा करने के नियमो मे अन्तर करेंगे।

प्रयोगात्मक →

① छात्र जर्नल का प्रारूप बनायेंगे
② छात्र जर्नल मे लेन-देनो का लेखा करेंगे।
③ छात्र जर्नल लेखा से सम्बन्धित प्रश्नों का निर्माण करेंगे।

सहायक सामग्री —

लपेटन श्यामपट पर लिखा हुआ जर्नल के लेखा से सम्बन्धित आदर्श-प्रश्न।

पूर्वज्ञान →

① छात्र दोहरा प्रणाली के अर्थ, परिभाषा, सिद्धान्तों आदि बातों से परिचित है।
② छात्रों को जर्नल का साधारण ज्ञान है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

प्रस्तावना →

① किसी लेन-देन में कितने व्यक्तियों

की आवश्यकता होती है?

(2) किस लिए दो व्यक्तियों की आवश्यकता होती है?

(3) स्मृति वह विवरण पुस्तिका में लिखने के बाद क्रमानुसार स्पष्ट नियमबद्ध तरीके से किस पुस्तक में लिखा जाता है?

(4) वह विवरण सर्वप्रथम किस पुस्तक में लिखा जाता है?

उद्देश्य - कथन —

आज हम लोग जर्नल में लेखा जिस प्रकार किया जाता है इसके सम्बन्ध में सीखेंगे।

प्रस्तुतीकरण —

प्रस्तुत पाठ का अध्ययन एक ही अन्विति में किया जायेगा।

शिक्षण - बिन्दु	शिक्षण - क्रिया	ज्ञात - क्रिया	श्यामपट सारांश
अर्थ एवं परिभाषा	प्रश्न — दोहरा लेखा प्रणाली किस सिद्धान्त पर आधारित है?	यह प्रणाली इस सिद्धान्त पर आधारित है कि प्रत्येक लेन-देन के दो पक्ष होते हैं।	
	प्रश्न → बालकों से दोहरा लेखा प्रणाली की क्या परिभाषा बतायी है?	प्रत्येक व्यापारिक लेन-देन	

22/1/20
प्राचार्य
मोरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण